राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान शाखा की जानकारी

छत्तीसगढ़ राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की स्थापनाः–

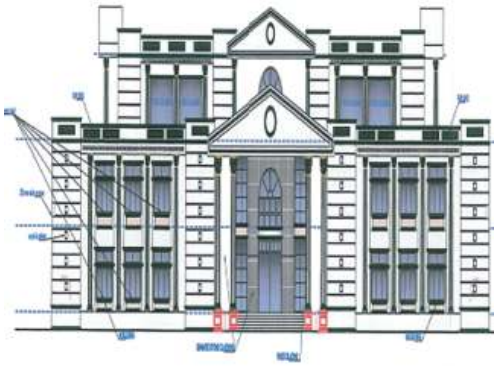

राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना किये जाने लिये गये निर्णय अनुसार माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर दिनांक 21.03.2006 को संस्थान के भवन निर्माण हेतु विधानसभा मार्ग पर बरौंदा क्षेत्रा में शिलान्यास किया गया।

संस्थान अंतर्गत, अनुसंधान इकाई, प्रशासनिक इकाई, छात्रााावास, प्रशिक्षण इकाई, आवासीय भवन, रेस्ट हाऊस, सेमीनार कक्ष, आडिटोरियम आदि शामिल है। संस्थान के भवन का प्रथम चरण पुनीरिक्षत प्राक्कलन रू. 1997 लाख अनुमानित किया गया है। शासन द्वारा रू. 1305 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। संस्थान के भवन निर्माण हेतु राज्य आयोजना मद से वर्ष 2005–06 से वर्ष 2009–10 तक रू. 675 लाख आबंटन प्राप्त हुआ है जिसमें से छ.ग. हाउसिंग बोर्ड जो इस संस्थान के भवन निर्माण हेतु शासन द्वारा नियुक्त एजेंसी है, को रूपये 525 लाख वर्ष 2009–10 तक हस्तांतरित किया गया है। भवन निर्माण कार्य प्रगति पर है।

संस्थान के सेटअप में वानिकी प्रोफेशनल्स के अलावा वैज्ञानिक, तकनीकी तथा गैर तकनीकी पदों के कुल 76 पद स्वीकृत किये गये है।

संस्थान में निम्नालिखित 8 प्रभाग की स्थापना प्रस्तावित हैः–

1. **जैवविविधता एवं पारिस्थितिकी प्रभाग (Biodiversity & Ecology Division)**
2. **जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग (Biotechnology Division)**
3. **वन संरक्षण प्रभाग. (Forest Protection Division)**
4. **आजीविका प्रोत्साहन प्रभाग (Livelihood Promotion Division)**
5. **वनवर्धन प्रभाग (Silviculture Division)**

   मृदा विज्ञान (खनन क्षेत्राों सहित)

   बीज प्रमाणीकरण प्रभाग
6. **कृषिवानिकी एवं वानिकी विस्तार प्रभाग(Agroforestry & Extension Division)-**
7. **गैर–काष्ठीय वन उत्पाद प्रभाग (NTFP Division)**
8. **सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग (Informatics Division)**

राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान हेतु बजट प्रावधान

राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान हेतु आयोजना मद मांग संख्या 10–2406 (01) – वानिकी (003) शिक्षा एवं प्रशिक्षण–0101– राज्य आयोजना (सामान्य) (1859)– राज्य वन अनुसंधान संस्थान की स्थापना अंतर्गत वर्ष 2010–11 हेतु रू. 194.00 लाख का बजट प्रावधान किया गया जिसमें मुख्यतः कर्मचारियों के वेतन भत्ते का ही प्रावधान है इसमें रू. 2.00 लाख प्रशिक्षण एवं रू. 2.00 लाख शिष्यवृत्ति हेतु प्रावधानित किया गया है । अनुसंधान कार्य हेतु कोई बजट प्रावधान नही किया गया एवं इस हेतु बजट

प्रावधान किये जाने की अत्यंत आवश्यकता है जिससे संस्थान के उद्देश्य की प्राप्ति में कार्य किया जा सके। उक्त मद में से आबंटित राशि रूपये 194 लाख के विरूद्ध माह अगस्त 2010 तक रू. 34.40 लाख रू. व्यय किया गया है । राज्य कैम्पाा मद में 70 लाख रू. का प्रस्ताव प्रशिक्षण हेतु स्वीकृत किया गया है।

राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान हेतु राज्य कैम्पा मद से स्वीकृत योजनाओं की अद्यतन स्थिति

क्र.	योजना का नाम	स्वीकृत राशि (लाख में)	अद्यतन स्थिति
1	अधोसंरचना विकास	375	अधोसंरचना विकास अंतर्गत राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना हेतु चयनित क्षेत्रा बरौंदा में जहां संस्थान का भवन निर्माण कार्य प्रगति पर है, वहां निम्नलिखित कार्य प्रगति पर हैः– 1ण ैथ्त्ज् ठवनदकंतल ॅंसस ंदक डंपद म्दजतंदबम हंजम के निर्माण हेतु वनमंडलाधिकारी (सामान्य) रायपुर को अनुमोदित प्राक्कलन अनुसार कार्य प्रारंभ करने हेतु निर्देशित किया गया है । 2ण 200 किलो वाट क्षमता के ैवसमत म्समबजतपपिबंजपवद ैलेजमउ स्थापित करने हेतु ब्त्म्क्।ष् द्वारा परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है जिस पर कार्यवाही की जा रही है। 3. ैथ्त्ज् ठनपसकपदह च्तंज.। ंदक च्तंज.ठ में फर्नीशिंग आदि कार्य करने हेतु ऐजेन्सी चयन का कार्य अंतिम स्तर पर है। ॅथ्त्ज् ब्वउने में ैजतमंज सपहीज हेतु ब्म्ठ के सहयोग से ट्रांसफार्मर की स्थापना हेतु भवन में संभावित लोडवेयर ज्ञात करने हेतु छ.ग. हाऊसिंग बोर्ड के सहयोग से कार्यवाही प्रगति पर है।
2	केन्द्रीय टिशु कल्चर लैब की स्थापना	20	–केन्द्रीय टिशु कल्चर की स्थापना ैथ्त्ज् ब्वउने में करने हेतु स्थान चयनित किया गया है एवं परियोजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
3	बीज टेस्टिंग एवं सर्टिफिकेशन सेंटर की स्थापना	20	ैममक ज्मेजपदह स्ंइ की स्थापना हेतु ैथ्त्ज् ब्वउने में स्थल चयन कर चिन्हित किया गया है एवं ए.पी.ओ. में प्रावधानित राशि रू. 20 लाख के विरूद्ध जारी प्रथम किस्त की राशि रूपये 6 लाख को वनमंडलाधिकारी (सामान्य) रायपुर के एम.ओ.डी. खाते में स्थानांतरित किया जाकर बीज परिक्षण भवन के निर्माण प्रारंभ करने निदेर्शित किया जा चुका है।
4	मृदा टेस्टिंग प्रयोगशाला की स्थापना	20	ैवपस ज्मेजपदह स्ंइ की स्थापना हेतु ैथ्त्ज् ब्वउने में स्थल चयन चयन कर चिन्हित किया गया है एवं ए.पी.ओ. में प्रावधानित राशि रू. 20 लाख के विरूद्ध जारी प्रथम किस्त की राशि रूपये 6 लाख को वनमंडलाधिकारी (सामान्य) रायपुर के एम.ओ.डी. खाते में स्थानांतरित किया जाकर बीज परिक्षण भवन के निर्माण प्रारंभ करने निदेर्शित किया जा चुका है।
5	एक केन्द्रीय वन पुस्तकालय की स्थापना	20	लाईब्रेरी भवन हेतु क्तूपदह क्मेपहद ंदक स्ंलवनज चसंदए म्ेजपउंजम तैयार किया जा रहा है।
6	राज्य में विभिन्न प्रकार के रिसर्च प्लाट की स्थापना	100	ब्मदजमत त्मेमंतबी च्सवज. की स्थापना प्रत्येक वन वृत्त मे प्रस्तावित है। 2. इस हेतु वृत्त से 150–20 हे. क्षेत्रा जो कि वनमंडल कार्यालय से 10–15 किमी की दूरी पर हो, पानी स्त्रोत हो एवं कम घनत्व का क्षेत्रा हो चयनित कर प्रस्तुत करने हेतु लेख किया गया है।
7	छत्तीसगढ़ राज्य की जैव विविधता के सर्वेक्षण बी.एस.आई. एवं जेड.एस.आई एवं अन्य संस्थाओं के	70	1. छत्तीसगढ़ राज्य की जैव विविधता के सर्वेक्षण हेतु ैं – ठैप् ज्ञवसांजं द्वारा प्रस्तुत एवं स्वीकृत परियोजनाओं के क्रियांवयन हेतु ए.पी.ओ. में प्रावधानित राशि रूपये. 70 लाख के विरूद्ध जारी प्रथम किस्त की राशि रूपये 21 लाख में से रारि रूपये 12 लाख रू. क्पतमबजवत ैप् ज्ञवसांजं को एवं राशि रूपये 7 लाख क्पतमबजवत ठैप् ज्ञवसांजं को आबंटित करने हेतु वनमंडलाधिकारी (सामान्य) रायपुर के एम.ओ.डी. खाते में स्थानांतरित

	माध्यम से सुनिश्चित करने एवं अन्य अनुसंधान कार्य		किया गया।"ि एवं ठि से ज्द निर्धारण उपरान्त कार्य प्रारंभ करने हेतु दोनो संस्थानो के प्रभारी वैज्ञानिक को बुलाया गया है। 2. ब्जीमत त्मेमंतबी ।बजपअपजपमे अंतर्गत "थ्त्ज्" के द्वारा स्वीकृत परियोजना ;ळमतउचसेंउ ब्वससमबजपवद ंदक कमअमसवचउमदज वि च्संदजंजपवद ज्मबीदवसवहल वि *ठनबींददपं संद्रंददक म्हसम उंतउमसवे* "चमबपमे पद बीेंजपेहंतीद्ध के क्रियान्वयन हेतु राशि रू. 2 लाख विमुक्त करने हेतु वनमंडलाधिकारी (सामान्य) रायपुर के ए.मओ.डी. खाते में स्थानांतरित किया गया। दोनो कार्यो हेतु प्रथम एवं द्वितीय स्तर का दौरा कर संबोधित स्थलों पर बेल की बूटी ;।पत संलमतपदहद्ध का निरीक्षण कर कंजं एकत्रा किया गया वर्तमान में चिरौजी एवं बेल के "च।"मसमबजपवद हेतु कार्यवाही की जा रही है।
8	विभिन्न स्तर के अनुसंधान हेतु अनुसंधान फैलो के नियुक्ति (संविदा) करना	5	कुल 6 त्मेमंतबी थ्मससवू की नियुक्ति हेतु तैयार विज्ञापन अनुमोदन उपरांत शीघ्र प्रकाशित किया जायेगा।
9	प्रत्येक एग्रो क्लाईमेटिक जोन में 1 (कुल 3) लीड एवं बोटेनिकल गार्डन की स्थापना	150	योजना अंतर्गत नया रायपुर क्षेत्रा में एशिया का सबसे बड़ा बोटनिकल गार्डन की स्थापना हेतु स्थल चयन कर भूमि अधिग्रहण एवं परियोजना निर्माण को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
10	6 उच्च तकनीक नर्सरी की स्थापना	300	इस हेतु 1 खण्डवा (नया रायपुर)–रायपुर सामान्य वनमंडल, 2 बालौद–दुर्ग वनमंडल 3 माचकोट– बस्तर सामान्य व.मं. 4 भैसाझार रोपणी कोटा परियोजना मंडल, बिलासपुर, 5 पासंग – अंबिकापुर परिक्षेत्रा पी. 2580 – दक्षिण सरगुजा व.मं, 6 कमरीद –जांजगीर–चाम्पा वन मंडल रोपणियों को अंतिम रूप से चयनित कर तत्काल कार्य प्रारंभ करने हेतु राशि विमुक्त की जा चुकी है।
11	संयुक्त वन प्रबंधन समिति के अंतर्गत एग्रो/फार्म वानिकी विकास हेतु 10 लाख पौधो का वितरण	70	ब्सनेजमत ंचचतवंबी कृषकों के चयन एवं परियोजना प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया जाना शेष है।
12	विभिन्न वन कर्मचारियों एवं संयुक्त वन प्रबंधन के अंतर्गत समिति सदस्यों हेतु प्रशिक्षण आयोजन करना	70	1. प्रशिक्षण हेतु कार्यक्रम एवं विस्तृत विवरण तैयाार किया जा कर अंतिम रूप दिया जा रहा है एवं इस हेतु ए.पी.ओ. में प्रावधानित राशि रू. 70 लाख के विरूद्ध जारी प्रथम किस्त की राशि रूपये 21 लाख को वनमंडलाधिकारी (सामान्य) रायपुर के एम.ओ.डी. खाते में स्थानांतरित किया गया।
13	वन कर्मचारियों एवं संयुक्त वन प्रबंधन समिति के सदस्यों को राष्ट्रीय स्तर के वानिकी संस्थानों एवं उच्च कार्य क्षेत्राों के भ्रमण	20	कुल 13 चयनित भा.व.से. अधिकारियों को ळतवनच.। एवं ळतवनच.ठ दो समुहो में दिनांक 20/09/2010 एवं 26/09/2010 एवं 27/09/2010 से 03/10/2010 को छत्ै।ए भ्लकमतंइंकए ।च थ्वतमेज. क्मचजण "ममक ज्मेजपदह संइ हैदराबादए ठप्ज्त्ैडै.तिरूपति, ंन्तपदंए म्नबंसलचजनेए ठतममकपदह च्तवहतंउउम .राजमुंद्री, अनुसंधान केन्द्र एवं आई. टी.सी.– भद्राचलम का भ्रमण कार्यक्रम आयोजित है जिसके लिए पूर्व में ए. पी.ओ. में प्रावधानित राशि रू. 20 लाख के विरूद्ध जारी प्रथम किस्त की राशि रूपये 6 लाख को वनमंडलाधिकारी (सामान्य) रायपुर के एम.ओ.डी. खाते में स्थानांतरित किया जा चुका।
14	उत्कृष्ठ वानिकी कार्य करने वाले विभिन्न राष्ट्रों एवं वानिकी	50	इस हेतु भ्रमण कार्यक्रम निर्धारित किया जा रहा है।

	संस्थाओं का अंतराष्ट्रीय भ्रमण एवं अन्तराष्ट्रीय सेमीनार एवं कार्यशाला में विभिन्न स्तर के अधिकारियों के सम्मिलित होकर राज्य का प्रतिनिधित्व करना		
	योग	**1290**	

छत्तीसगढ़ राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की वर्ष 2009–10 की उपलब्धियॉं

1. **दिनांक 04 मई 2009 को छ.ग. "राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के भविष्य की रूप रेखा (Development of Forest Research & Training Strategy and Action Plan) तय करने हेतु कार्यशाला का आयोजन**

संस्थान की भविष्य की अनुसंधान रणनीति एवं कार्य योजना तय करने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन श्री आर.के. शर्मा प्रधान मुख्य वन संरक्षक छ.ग. की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यशाला में श्री धीरेन्द्र शर्मा, प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ राज्य वन विकास निगम, श्री ए.के. सिंह, प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ राज्य लघुवनोपज संघ, श्री एन.के भगत, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी सहित विभाग के 37 वरिष्ठ वन आधिकारी उपस्थित रहे। उक्त कार्यशाला में राज्य में वानिकी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण हेतु रणनिति एवं कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण संचालक, रा.व.अ. एवं प्र.सं. संस्थान द्वारा दिया गया। प्रस्तुतीकरण पर समस्त अधिकारियों द्वारा विस्तृत चर्चा की गई। प्रधान मुख्य वन संरक्षक छत्तीसगढ़ श्री आर.के शर्मा एवं अन्य उपस्थित समस्त वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा संस्थान की आवश्यकता अनुसार संस्थान में 8 मुख्य प्रभाग होने सहमति दी गई। कार्यशाला में संस्थान में सर्वप्रथम तत्काल मृदा एवं बीज परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित करने पर जोर दिया गया।

2. **दिनांक 05 जून 2009 को "विश्व पर्यावरण दिवस" पर राज्य स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन**

प्रधान मुख्य वन संरक्षक छ.ग. के मुख्य आतिथ्य में विभाग के वरिष्ठ वन अधिकारियों की उपस्थिति में विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण के विभिन्न महत्तवपूर्ण विषयों पर डॉ. ए.ए. बोआज,संचालक रा.व.अ. एवं प्र. सं. छत्तीसगढ़ श्री रामप्रकाश, अ.प्र.मु.व.सं., श्री ए.के. द्विवेदी, मु.व.सं, (परिस्थितकीय पर्यावरण) श्री संजय शुक्ला, तत्कालीन आयुक्त, छ.ग. हाउसिंग बोर्ड एवं श्री सुब्रमणियम, सचिव मुख्य मंत्रीा सचिवालय द्वारा सारगर्भित एवं उद्देश्यपूर्ण प्रस्तुतीकरण दिया गया एवं समस्त उपस्थित अधिकारियों द्वारा इस दिवस पर पर्यावरण संरक्षण पर विस्तृत चर्चा की गई।

3. दिनांक **05 नवम्बर 2009 को "जलवायु परिवर्तन–संयुक्त वन प्रबंधन सुदृढ़ीकरण" विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन**

राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा "जलवायु परिवर्तन एवं संयुक्त वन प्रबंधन सुदृढ़ीकरण" विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का

आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों के रूप में समस्त क्षेत्रीय वन मंडलाधिकारियों को आमंत्रित किया गया। कार्यशाला में 35 प्रतिभागी उपस्थित हुये। कार्यशाला के उद्देश्य अनुसार जलवायु परिवर्तन विषय पर देश एवं विश्व स्तर पर लागू नियम, निति एवं नये बिन्दुओं के साथ–साथ राज्य में संयुक्त वन प्रबंधन के सुदृढ़ीकरण में जलवायु परिवर्तन पर विस्तार से भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून से आये विषय विशेषज्ञों डॉ. रेणू सिंह एवं श्री संदीप त्रिपाठी एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों डॉ. ए.ए. बोआज, संचालक राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान एवं श्री मुदित कुमार सिंह, मुख्य वन संरक्षक, भू–प्रबंध द्वारा अपने प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस दिशा में राज्य स्तर पर संयुक्त वन प्रबंधन को सुदृढ़ीकरण करने हेतु प्रत्येक वनमंडल स्तर पर एक ब्कड आधारित परियोजना बनाने हेतु अनुशंसा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्री डी.एस. मिश्र, प्रमुख सचिव (वन) छ.ग. शासन, कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री आर.के.शर्मा प्र.मु.व.स. छ.ग. श्री धीरेन्द्र शर्मा, प्रबंध संचालक, छ.ग. रा.व वि. निगम, श्री ए.के. सिंह, प्रबंध संचालक, छ. ग. रा. लघुवनोपज संघ, डॉ. संदीप त्रिपाठी, निदेशक (अनुसंधान) डॉ. रेणु सिंग, प्रभागाध्यक्ष, बायोडायवर्सीटी डिविजन आई.सी. एफ.आर.ई देहरादून, डॉ. अनूप भल्ला, अ.प्र.मु.व.स. (सं व. प्र/नी वि) छ.ग., डॉ. ए.ए. बोआज, संचालक, रा.व.अ.प्र.स. छ.ग. रायपुर उपस्थित थे एवं साथ ही विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

4. दिनांक 18–19 नवम्बर 2009 को <u>"रोपणी एवं वृक्षारोपण तकनीक"</u> पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

राज्य में संयुक्त वन प्रबंधन कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विभाग के नचले स्तर के वन कर्मचारियों एवं वन प्रबंधन समिति के अध्यक्षों/सदस्यों को "मास्टर ट्रेनर्स" के द्वारा प्रशिक्षित करने मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण हेतु "रोपणी एवं वृक्षा रोपण तकनीक" विषय पर दिनांक 18–19 नवम्बर 2009 को प्रशिक्षण आयोजित किया गया । मास्टर ट्रेनर्स के हेतु भा.व.से. (प्रोबेसनर्स), सहायक वन संरक्षक एवं वन क्षेत्रापाल स्तर के 52 अधिकारियों को आंमत्रित किया गया जिसमें से 38 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में मुख्य अतिथि के रूप भी आर.के.शर्मा प्रधान मुख्य वन संरक्षक छ.ग. उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस में विभाग के विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा "रोपणी एवं वृक्षारोपण तकनीक" विषय के विभिन्न आयामों यथा बीज चयन, संग्रहण, रोपणी तैयारी, उन्नत पौधे तथा वृक्षारोपण हेतु प्रजाति चयन पर प्रतिभागियों को सारगर्भित रूप से प्रशिक्षित किया गया एवं द्वितीय दिवस को प्रकाश ग्रुप आफ इन्डस्ट्रीस, रायपुर द्वारा दुर्ग जिले के बेरला ब्लाक में लगभग 600 हे. में स्थापित हाईटेक वृक्षारोपण जिसमें मुख्यतः खम्हार प्रजाति रोपित किये गये है, जलवायु परिवर्तन के न्छथ्ब्ब अंर्तगत ब्कड आधारित परियोजना अंर्तगत सूचीबद्ध है, का भ्रमण एवं निरीक्षण डॉ. ए.ए. बोआज, संचालक रा.व.अ.एवं प्र.सं. रायपुर के निर्देशन में श्री मनोज शर्मा, उपाध्यक्ष (प्लांटेशन डिवीजन) प्रकाश ग्रुप आफ इंडस्ट्रीस के माध्यम से मास्टर ट्रेनर्स को कराया गया। वृक्षारोपण क्षेत्राों में ेवपस डवपेजनतम ब्वदेमतअंजपवद के लिये किये गये उपायों से भी मास्टर ट्रेनर्स को अवगत कराया गया साथ ही इन वृक्षारोपण क्षेत्राों में सिंचाई के किये गये उपचारों का वृद्धि पर प्रभाव का भी अवलोकन किया गया। इस प्रशिक्षण में विभाग की वरिष्ठ अधिकारी श्री एन. के. भगत, प्र.मु.व.स. (वन्य प्राणी) छ.ग., श्री राम प्रकाश, अ.प्र.मु.व.सं. (प्रशा), डॉ. अनूप भल्ला, मु.व.स.(स.व.प्र./नी.वि.) छ.ग., के अतिरिक्त अन्य वरिष्ठ वन अधिकारी उपस्थित रहे।

5. दिनांक 08–09 फरवरी 2010 को **"लाख की खेती, औषधीय पौधो का संग्रहण फार्म फारेस्ट्री तथा जलग्रहण प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन**

दिनांक 18–19 नवम्बर 2009 को "रोपणी एवं वृक्षारोपण तकनीक" विषय पर मास्ट्रर ट्रेनर्स हेतु आयोजित प्रशिक्षण के चरण में मास्टर ट्रेनर्स को लाख (लाख की औषधी पौधे का संग्रहण, फार्म फारेस्ट्री एवं जलगहण प्रबंधण विषय पर प्रशिक्षण देने हेतु मास्टर ट्रेनर्स को एवं उनके साथ लगभग 13 प्रबंधन समितियों के सदस्य/अध्यक्षों सहित 65 प्रशिक्षार्णियों को दिनांक 08–09

अगले खेती, उन्हीं वन कुल

फरवरी 2010 को इस प्रशिक्षण हेतु आमंत्रित किया गया जिसमें से कुल 43 प्रशिक्षाणार्थियों (वन प्रबंधन समिति सहित)

उपस्थित रहें। प्रशिक्षण में श्री राम प्रकाश, अ. स. (प्रशा.) छ.ग. मुख्य आतिथ्य के रूप में एवं अनूप भल्ला मु.व.स.(स.व.प्र./नी.वि.), छ.ग. प्र.मु.व. डॉ. अध्यक्ष के रूप में उपस्थित थे। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस राष्ट्र स्तरीय विषय विशेषज्ञों के रूप में उपस्थित डॉ ए.के. जयसवाल, Principal Scientist, Indian Institute of Natural Resin & Gums, Ranchi] MkW o`ankouu~] Bio-Resource Development, डाबर इंडिया लिमिटेड गाजियाबाद डॉ. एच.डी. कुलकर्णी, जनरल मेनेजर, (प्लान्टेशन) आई.टी.सी. भद्राचलम एवं श्री बी.आनंद बाबू, वन संरक्षक (कैम्पा) समस्त ने अपने विस्तृत प्रस्तुतीकरण के माध्यम से "मास्टर ट्रेनर्स" को प्रशिक्षण के निर्धारित विषयों पर उदेश्यपूर्ण प्रशिक्षण दिये। द्वितीय दिवस, प्रशिक्षण से संबंधित विषयों पर प्रतिभागियों को क्षेत्रीय भ्रमण अंतर्गत महासमुंद जिले में क्रियान्वित किये गये जल ग्रहण प्रबंधन उपायों एवं लाख प्रसंस्करण से संबंधित कार्यो से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण उदेश्यपूर्ण एवं अत्यंत सफल रहा।

6. **दिनांक 22–25 फरवरी 2010 एवं 03–06 मार्च 2010 को वन कर्मचारियों एवं वन प्रबंधन समितियों को वानिकी के विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण**

18–19 नवम्बर एवं 08–09 फरवरी 2010 को मास्टर ट्रेनर्स को दिये गये प्रशिक्षण के आधार पर वन रक्षक प्रशिक्षण विद्यालय सक्ती, वनपाल प्रशिक्षण विद्यालय जगदलपुर एवं वन रक्षक प्रशिक्षण विद्यालय

महासमुंद में वन कर्मचारियों एवं वन प्रबंधन समितियों को राज्य में संयुक्त वन प्रबंधन कार्यक्रम में सुचारू क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षित

मास्टर ट्रेनर्स द्वारा निचले स्तर के वन कर्मचारियों एवं वन प्रबंधन समिति सदस्यों को चार दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में वन रक्षक प्रशिक्षण विद्यालय सक्ती में 104 प्रशिक्षणार्थी, वनपाल प्रशिक्षण विद्यालय जगदलपुर में 87 एवं वन रक्षक प्रशिक्षण विद्यालय महासमुंद में 125 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण उदेश्यपूर्ण रहा।

7. दिनांक 29–30 मार्च 2010 को ष्बनततमदज ेूं पद थ्वतमेज डंदंहमउमदज पद प्दकपंष विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

राज्य के भारतीय वन सेवा के अधिकारियों के लिये राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, छ.ग. द्वारा ष्बनततमदज ेूं पद थ्वतमेज डंदंहमउमदज पद प्दकपंष विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्याशाला का आयोजन दिनांक 29 एवं 30 मार्च 2010 को महामहिम श्री शेखर दत्त, राज्यपाल छत्तीसगढ़ के मुख्य आथित्य एवं श्री पी.जॉय,ओम्मेन, मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन की समापन समारोह में उपस्थिति के साथ सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। महामहिम राज्यपाल के अतिरिक्त कार्यक्रम में श्री पी.सी. दलेई, प्रमुख सचिव, वन छत्तीसगढ़ शासन, श्री आर.के. शर्मा, प्रमुख मुख्य वन संरक्षक छत्तीसगढ़, डॉ. एम.के. श्रीवास्तव कुलपति, हिदायत उल्ला नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी रायपुर, राज्य के अतिरिक्त महाधिवक्ता श्री किशोर भादुड़ी विशेष रूप से उपस्थित रहे ।

डॉ. ए.ए. बोआज, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं संचालक राज्य अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा इस कार्यशाला में वन अधिकार अधिनियम एवं पंचायत अनुसुचित क्षेत्रा विस्तार अधिनियम पर मुख्य रूप से वनवासीयों पर इसके प्रभाव एवं इन अधिनियमों के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा एवं समाधान किये जाने हेतु कार्यशाला आयोजित होने के बारे में जानकारी दी। महामहिम राज्यपाल छत्तीसगढ़ द्वारा इस कार्यशाला को वन प्रबंधन एवं इससे संबंधित अधिनियमों के परिप्रेक्ष्य में तथा इससे सीधे तौर पर प्रभावित होने वाले वनवासियों के परिप्रेक्ष्य में पायोनियर कार्यशाला होने बाबत् व्यक्तव्य दिया गया एवं आशा व्यक्त की गई कि यह कार्यशाला राज्य के वनों के प्रबंधन के सांथ – साथ वनवासियों के स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन के लिये फलदायी होगा। श्री आर. के. शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, छ.ग. ने वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन में छ.ग. राज्य के प्रथम होने संबंधी व्यक्तव्य दिया।

कार्यशाला को प्रशिक्षित करने के लिये राष्ट्रीय स्तर के विषय विशेषज्ञ जिनमें इनवायरो लिगल डिफेनस फर्म, नोएडा के श्री संजय उपाध्याय, सीनियर एडव्होकेट सुप्रीम कोर्ट, श्री राजीव कुमार, रेसीडेन्ट कमीश्नर, झारखंड, श्री के.के. सिंग, भूतपूर्व विधायक सीधी एवं डॉ. अरविंद झा, कमिश्नर, आदिवासी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, पुणे मुख्य रूप से उपस्थित थे।

प्रशिक्षण कार्यशाला का मुख्य उदेश्य राज्य के भारतीय वन सेवा के अधिकारियों को वन प्रबंधन से संबंधित वर्तमान अधिनियमों एवं कानूनों के व्यवहारिक पहलुओ तथा क्रियान्वयन में आ रही समस्यों के संभाव्य समाधान पर विस्तृत चर्चा किया जाना निहित था। कार्यशाला में छत्तीसगढ़ राज्य के समस्त वन मण्डलाधिकारियों वन संरक्षकों, क्षेत्रीय संचालकों, वन्य प्राणी, भारतीय वन सेवा के प्रोबेसनर्स अधिकारियों कुल 62 मुख्य प्रतिभागियों के रूप में आमंत्रित किया गया था जिसमें से 43 प्रतिभागी उपस्थित रहें। इनके अतिरिक्त श्री धीरेन्द्र शर्मा, प्रबंध संचालक छ.ग. राज्य वन विकास निगम, श्री ए.के. सिंह, प्रबंध संचालक छ. ग. लघु वनोपज संघ, श्री एन. के. भगत, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी तथा वन विभाग वरिष्ठ वन अधिकारी उपस्थित थे। कार्यशाला के अंत में समस्त के द्वारा उक्त कार्यशाला छत्तीसगढ़ राज्य के लिए अत्यन्त फलदायी होगा, विचार व्यक्त किया गया।

उपरोक्त समस्त प्रशिक्षण/कार्यशाला मांग संख्या 41–2406 (0102) अनुसूचित जनजाति क्षेत्रा उपयोजना (6723) संयुक्त वन प्रबंधन सुदृढ़ीकरण एवं विकास रु 05 प्रशिक्षण 002 अन्य प्रशिक्षण मद एवं राज्य वन अनुसंधान संस्थान की स्थापना शीर्ष 10–241 – 1859 प्रशिक्षण मद के अंतर्गत आयोजित किये गये।

8. <u>वन विज्ञान केन्द्र में प्रशिक्षण</u>

वानिकी अनुसंधान के विस्तार हेतु, भारतीय वानिकी, अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादुन के सहयोग से स्थापित वन विज्ञान केन्द्र, रायपुर में, राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के अंतर्गत माह फरवरी–मार्च 2010 की अवधि में कुल 4 प्रशिक्षण (दो दिवसीय) का आयोजन किया गया। चारों प्रशिक्षण में कुल 100 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया जिसमें वन क्षेत्रापाल/वनपाल/वनरक्षको एवं सयुक्त वन प्रबंधन समिति सदस्यों एवं कृषको को <u>"रोपणी एवं रोपण में होने वाले विभिन्न कीट/फफूंदी बीमारियों की पहचान एवं रोकथाम हेतु प्रभावी प्रबंधन,"</u> एवं "पड़त भूमि विकास अंतर्गत कृषि वानिकी" विषय पर उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर के वैज्ञानिको द्वारा प्रशिक्षित किया गया।

भविष्य में इस संस्थान द्वारा वन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आधुनिक तकनीकी विकसित करने, विभिन्न वानिकी विषयों पर शोध करने व वन उत्पादकता बढ़ाने हेतु विभिन्न प्रकार के वानिकी अनुसंधान कार्यो के द्वारा वन आधारित ग्रामीणों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान में वानिकी के योगदान हेतु प्रयास किये जावेंगे।

———————

राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान शाखा की विगत 2 वर्ष की उपलब्धियां

छ.ग. राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की स्थापनाः–

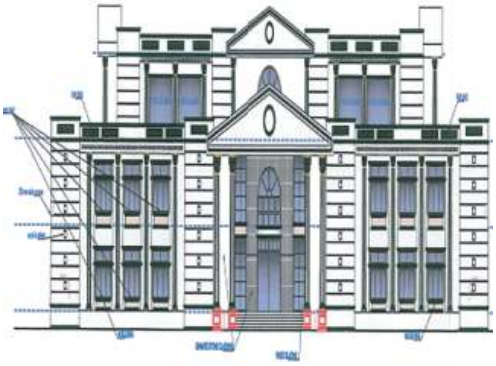

राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना किये जाने लिये गये निर्णय अनुसार माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर दिनांक 21.03.2006 को संस्थान के भवन निर्माण हेतु विधानसभा मार्ग पर बरौंदा क्षेत्रा में शिलान्यास किया गया।

संस्थान के सेटअप में वानिकी प्रोफेशनल्स के अलावा वैज्ञानिक, तकनीकी तथा गैर तकनीकी पदों के कुल 76 पद स्वीकृत किये गये है। संस्थान में निम्नालिखित 8 प्रभाग की स्थापना प्रस्तावित हैः–

1. **जैवविविधता एवं पारिस्थितिकी प्रभाग (Biodiversity & Ecology Division)**
2. **जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग (Biotechnology Division)**
3. **वन संरक्षण प्रभाग (Forest Protection Division)**
4. **आजीविका प्रोत्साहन प्रभाग (Livelihood Promotion Division)**
5. **वनवर्धन प्रभाग (Silviculture Division)**
   मृदा विज्ञान (खनन क्षेत्रों सहित)
   बीज प्रमाणीकरण प्रभाग
6. **कृषिवानिकी एवं वानिकी विस्तार प्रभाग (Agroforestry & Extension Division)**
7. **गैर–काष्ठीय वन उत्पाद प्रभाग (NTFP Division)**
8. **सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग (Informatics Division)**

राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान हेतु बजट प्रावधान

राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान हेतु आयोजना मद मांग संख्या 10–2406 (01) – वानिकी (003) शिक्षा एवं प्रशिक्षण–0101– राज्य आयोजना (सामान्य) (1859)– राज्य वन अनुसंधान संस्थान की स्थापना अंतर्गत वर्ष 2009–10 एवं 2010–11 हेतु क्रमशः रू. 200.00 एवं रू. 194.00 लाख का बजट प्रावधान किया गया जिसमें मुख्यतः कर्मचारियों के वेतन भत्ते का ही प्रावधान है इसमें रू. दो–दो लाख प्रशिक्षण एवं रू. दो–दो लाख शिष्यवृत्ति हेतु प्रावधानित किया गया । अनुसंधान कार्य हेतु कोई बजट प्रावधान नही किया गया एवं इस हेतु बजट प्रावधान किये जाने की अत्यंत आवश्यकता है जिससे संस्थान के उद्देश्य की प्राप्ति में कार्य किया जा सके।

राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के भवन निर्माण एवं अधोसंरचना विकास की प्रगति

संस्थान अंतर्गत, अनुसंधान इकाई, प्रशासनिक इकाई, छात्रावास, प्रशिक्षण इकाई, आवासीय भवन, रेस्ट हाऊस, सेमीनार कक्ष, आडिटोरियम आदि शामिल है। संस्थान के भवन का प्रथम चरण पुनीरिक्षत प्राक्कलन रू. 1997 लाख अनुमानित किया गया है। शासन द्वारा रू. 1305 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। संस्थान के भवन निर्माण हेतु राज्य आयोजना मद से वर्ष 2005–06 से वर्ष 2009–10 तक रू. 675 लाख आबंटन प्राप्त हुआ है जिसमें से छ.ग. हाउसिंग बोर्ड जो इस संस्थान के भवन निर्माण हेतु शासन द्वारा नियुक्त एजेंसी है, को रूपये 525 लाख वर्ष 2009–10 तक हस्तांतरित किया गया है। भवन निर्माण कार्य एवं अधोसंरचना विकास कार्य प्रगति पर है ।

राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान हेतु प्रशासकीय सह अकादमिक भवन पार्ट–अ एवं पार्ट–ब का निर्माण अंतिम चरण पर है एवं भवन के समस्त कमरों, सभागार, लेक्चर हाल एवं पुस्तकालय में फर्नीशिंग आदि कार्य प्रगति पर है। कैम्पा निधि से ैथ्त्ज्प् ठवनदकंतल ूसस ंदक डंपद म्दजतंदबम हंजम के निर्माण कार्य किया जाना प्रस्तावित है। 200 किलो वाट क्षमता के ैवसंत म्समबजतपपिबंजपवद ैलेजमउ स्थापित करने हेतु ब्त्म्क्।ष् द्वारा परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है जिस पर कार्यवाही की जा रही है। राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान कैम्पस में ट्रांसफार्मर स्थापित करने हेतु छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

केन्द्रीय पुस्तकालय की स्थापना (कैम्पा निधि से)

राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में केन्द्रीय पुस्तकालय की स्थापना हेतु भवन का क्तूंपदह क्मेपहद ंदक स्ंलवनज चसंदए भ्जपउंजम तैयार किया जा रहा है। केन्द्रीय पुस्तकालय हेतु वर्ष 2009–10 में महत्वपूर्ण विषयों के 230 पुस्तकें, 2.82 लाख रूपये के एवं वर्ष 2010–11 में 31 पुस्तकें, 5890 रूपये के क्रय किये गये है।

रा.व.अ.प्र.सं. अंतर्गत वन विज्ञान केन्द्र की स्थापना –

राज्य में वानिकी अनुसंधान के विस्तार हेतु भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादुन अंतर्गत उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर के सहयोग से राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान छत्तीसगढ़ रायपुर में वर्ष 2008 में स्थापित वन विज्ञान केन्द्र में वर्ष 2009–10 में प्रशिक्षण, माडल रोपणी विकास एवं विस्तार कार्य किये गये। प्रशिक्षण हेतु प्राप्त रूपये 2 लाख बजट से कुल 4 प्रशिक्षण (दो–दो दिवसीय) "रोपणी एवं रोपण में होने वाले विभिन्न कीट/फफूंदी बीमारियों की पहचान एवं रोकथाम हेतु प्रभावी प्रबंधन," एवं "पड़त भूमि विकास अंतर्गत कृषि वानिकी" विषय पर आयोजन किया गया। चारों प्रशिक्षण में कुल 100 प्रतिभागियों वन क्षेत्रापाल/वनपाल/वनरक्षको एवं सयुक्त वन प्रबंधन समिति सदस्यों एवं कृषको को उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर के वैज्ञानिको द्वारा प्रशिक्षित किया गया। वन विज्ञान केन्द्र में माडल रोपणी विकास अंतर्गत पालीप्रोपेगेटर का निर्माण एवं रूट ट्रेनर्स इत्यादि रूपये 2.50 लाख बजट से तथा विस्तार एवं उपकरण अंतर्गत प्राप्त रूपये से 1 लाख से वन विज्ञान केन्द्र को सुसज्जित किया गया जिसके अंतर्गत ट्रेनिंग हाल की बैठक व्यवस्था एवं डिमोन्सट्रेशन चार्ट कृषक प्रशिक्षण हेतु तैयार किये गये।

रा.व.अ.प्र.सं. सेन्ट्रल हाईटेक नर्सरी की स्थापना (कैम्पा निधि से)

राज्य में वन विभाग द्वारा प्रतिवर्ष वृहद स्तर पर महत्वपूर्ण वानिकी प्रजातियों के किये जा रहे वृक्षारोपणों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीक द्वारा विकसित महत्वपूर्ण वानिकी प्रजातियों के पौधों के समस्त वनमंडलों में सतत् आपूर्ति हेतु प्रत्येक वृत्त में सेन्ट्रल हाईटेक नर्सरी की स्थापना का कार्य राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के निर्देशन मे किया जा रहा है। इस हेतु रायपुर सामान्य वनमंडल में खण्डवा (नया रायपुर), दुर्ग वनमंडल में बालोद, बस्तर वनमंडल में माचकोट, दक्षिण सरगुजा वनमंडल में पासंग, जांजगीर – चांपा वनमंडल में कमरीद एवं सागौन प्रजाति के उन्नत पौधों में उपलब्धता हेतु वन विकास निगम अंतर्गत कोटा परियोजना मंडल, बिलासपुर में भैसाझार रोपणियों को अंतिम रूप से सेन्ट्रल हाइटेक नर्सरी हेतु चयनित कर तत्काल कार्य प्रारंभ करने हेतु राशि विमुक्त की जा चुकी है।

लीड एवं बोटेनिकल गार्डन की स्थापना (कैम्पा निधि से)

योजना अंतर्गत नया रायपुर क्षेत्रा में एशिया का सबसे बड़ा बोटनिकल गार्डन की स्थापना हेतु स्थल चयन कर भूमि अधिग्रहण एवं परियोजना निर्माण को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में विगत 2 वर्षो में आयोजित कार्यशाला/प्रशिक्षण

1. **दिनांक 04 मई 2009 को छ.ग. "राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के भविष्य की रूप रेखा (Development of Forest Research & Training Strategy and Action Plan) तय करने हेतु कार्यशाला का आयोजन**

संस्थान की भविष्य की अनुसंधान रणनीति एवं कार्य योजना तय करने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन श्री आर.के. शर्मा प्रधान मुख्य वन संरक्षक छ.ग. की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यशाला में श्री धीरेन्द्र शर्मा, प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ राज्य वन विकास निगम, श्री ए.के. सिंह, प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ राज्य लघुवनोपज संघ, श्री एन.के भगत, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी सहित विभाग के 37 वरिष्ठ वन आधिकारी उपस्थित रहे। उक्त कार्यशाला में राज्य में वानिकी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण हेतु रणनिति एवं कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण संचालक, रा.व.अ. एवं प्र.सं. संस्थान द्वारा दिया गया। प्रस्तुतीकरण पर समस्त अधिकारियों द्वारा विस्तृत चर्चा की गई। प्रधान मुख्य वन संरक्षक छत्तीसगढ़ श्री आर.के शर्मा एवं अन्य उपस्थित समस्त वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा संस्थान की आवश्यकता अनुसार संस्थान में 8 मुख्य प्रभाग होने सहमति दी गई। कार्यशाला में संस्थान में सर्वप्रथम तत्काल मृदा एवं बीज परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित करने पर जोर दिया गया।

2. **दिनांक 05 जून 2009 को "विश्व पर्यावरण दिवस" पर राज्य स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन**

प्रधान मुख्य वन संरक्षक छ.ग. के मुख्य आतिथ्य में विभाग के वरिष्ठ वन अधिकारियों की उपस्थिति में विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण के विभिन्न महत्तवपूर्ण विषयों पर डॉ. ए.ए. बोआज,संचालक रा.व.अ. एवं प्र. सं. छत्तीसगढ़ श्री रामप्रकाश, अ.प्र.मु.व.सं., श्री ए.के. द्विवेदी, मु.व.सं, (परिस्थितकीय पर्यावरण) श्री संजय शुक्ला, तत्कालीन आयुक्त, छ.ग. हाउसिंग बोर्ड एवं श्री सुब्रमणियम, सचिव मुख्य मंत्री सचिवालय द्वारा सारगर्भित एवं उद्देश्यपूर्ण प्रस्तुतीकरण दिया गया एवं समस्त उपस्थित अधिकारियों द्वारा इस दिवस पर पर्यावरण संरक्षण पर विस्तृत चर्चा की गई।

3. दिनांक **05 नवम्बर 2009 को "जलवायु परिवर्तन–संयुक्त वन प्रबंधन सुदृढ़ीकरण" विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन**

राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा "जलवायु परिवर्तन एवं संयुक्त वन प्रबंधन सुदृढ़ीकरण" विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों के रूप में समस्त क्षेत्रीय वन मंडलाधिकारियों को आमंत्रित किया गया। कार्यशाला में 35 प्रतिभागी उपस्थित हुये। कार्यशाला के उद्देश्य अनुसार जलवायु परिवर्तन विषय पर देश एवं विश्व स्तर पर लागू नियम, निति एवं नये बिन्दुओं के साथ–साथ राज्य में संयुक्त वन प्रबंधन के सुदृढ़ीकरण में जलवायु परिवर्तन पर विस्तार से भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून से आये विषय विशेषज्ञों डॉ. रेणू सिंह एवं श्री संदीप त्रिपाठी एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों डॉ. ए.ए. बोआज, संचालक राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान एवं श्री मुदित कुमार सिंह, मुख्य वन संरक्षक, भू–प्रबंध द्वारा अपने प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस दिशा में राज्य स्तर पर संयुक्त वन प्रबंधन को सुदृढ़ीकरण करने हेतु प्रत्येक वनमंडल स्तर पर एक ब्लॉक आधारित परियोजना बनाने हेतु अनुशंसा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्री डी. एस. मिश्र, प्रमुख सचिव (वन) छ.ग. शासन, कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री आर.के.शर्मा प्र.मु.व.स. छ.ग. श्री धीरेन्द्र शर्मा, प्रबंध संचालक, छ.ग. रा.व वि. निगम, श्री ए.के. सिंह, प्रबंध संचालक, छ. ग. रा. लघुवनोपज संघ, डॉ.

संदीप त्रिपाठी, निदेशक (अनुसंधान) डॉ. रेणु सिंग, प्रभागाध्यक्ष, बायोडायवर्सीटी डिविजन आई.सी. एफ.आर. ई देहरादून, डॉ. अनूप भल्ला, अ.प्र.मु.व.स. (सं व.प्र/नी वि) छ.ग., डॉ. ए.ए. बोआज, संचालक, रा.व.अ.प्र.स. छ.ग. रायपुर उपस्थित थे एवं साथ ही विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

4. **दिनांक 18–19 नवम्बर 2009 को <u>"रोपणी एवं वृक्षारोपण तकनीक"</u> पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन**

राज्य में संयुक्त वन प्रबंधन कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विभाग के नचले स्तर के वन कर्मचारियों एवं वन प्रबंधन समिति के अध्यक्षों/सदस्यों को "मास्टर ट्रेनर्स" के द्वारा प्रशिक्षित करने मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण हेतु "रोपणी एवं वृक्षा रोपण तकनीक" विषय पर दिनांक 18–19 नवम्बर 2009 को प्रशिक्षण आयोजित किया गया । मास्टर ट्रेनर्स के हेतु भा.व.से. (प्रोबेसनर्स), सहायक वन संरक्षक एवं वन क्षेत्रापाल स्तर के 52 अधिकारियों को आंमत्रित किया गया जिसमें से 38 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में मुख्य अतिथि के रूप भी आर.के.शर्मा प्रधान मुख्य वन संरक्षक छ.ग. उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस में विभाग के विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा "रोपणी एवं वृक्षारोपण तकनीक" विषय के विभिन्न आयामों यथा बीज चयन, संग्रहण, रोपणी तैयारी, उन्नत पौधे तथा वृक्षारोपण हेतु प्रजाति चयन पर प्रतिभागियों को सारगर्भित रूप से प्रशिक्षित किया गया एवं द्वितीय दिवस को प्रकाश ग्रुप आफ इन्डस्ट्रीस, रायपुर द्वारा दुर्ग जिले के बेरला ब्लाक में लगभग 600 हे. में स्थापित हाईटेक वृक्षारोपण जिसमें मुख्यतः खम्हार प्रजाति रोपित किये गये है, जलवायु परिवर्तन के न्छथ्ब्ब अंर्तगत ब्क्ड आधारित परियोजना अंर्तगत सूचीबद्ध है, का भ्रमण एवं निरीक्षण डॉ. ए.ए. बोआज, संचालक रा.व.अ.एवं प्र.सं. रायपुर के निर्देशन में श्री मनोज शर्मा, उपाध्यक्ष (प्लांटेशन डिवीजन) प्रकाश ग्रुप आफ इंडस्ट्रीस के माध्यम से मास्टर ट्रेनर्स को कराया गया। वृक्षारोपण क्षेत्रों में ैवपस डवपेजनतम ब्वदेमतअंजपवद के लिये किये गये उपायों से भी मास्टर ट्रेनर्स को अवगत कराया गया साथ ही इन वृक्षारोपण क्षेत्रों में सिंचाई के किये गये उपचारों का वृद्धि पर प्रभाव का भी अवलोकन किया गया। इस प्रशिक्षण में विभाग की वरिष्ठ अधिकारी श्री एन. के. भगत, प्र.मु.व.स. (वन्य प्राणी) छ.ग., श्री राम प्रकाश, अ.प्र.मु.व.सं. (प्रशा), डॉ. अनूप भल्ला, मु.व.स.(स.व.प्र./नी.वि.) छ.ग., के अतिरिक्त अन्य वरिष्ठ वन अधिकारी उपस्थित रहे।

5. दिनांक 08–09 फरवरी 2010 को **<u>"लाख की खेती, औषधीय पौधो का संग्रहण फार्म फारेस्ट्री तथा जलग्रहण प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन</u>**

दिनांक 18–19 नवम्बर 2009 को "रोपणी एवं वृक्षारोपण तकनीक" विषय पर मास्ट्रर ट्रेनर्स हेतु आयोजित प्रशिक्षण के चरण में मास्टर ट्रेनर्स को लाख (लाख की औषधी पौधे का संग्रहण, फार्म फारेस्ट्री एवं जलगहण प्रबंधण विषय पर प्रशिक्षण देने हेतु मास्टर ट्रेनर्स को एवं उनके साथ लगभग 13 प्रबंधन समितियों के सदस्य/अध्यक्षों सहित 65 प्रशिक्षार्णियों को दिनांक 08–09

अगले

खेती,

उन्हीं

वन

कुल

फरवरी 2010 को इस प्रशिक्षण हेतु आमंत्रित किया गया जिसमें से कुल 43 प्रशिक्षाणार्थियों (वन प्रबंधन समिति सहित) उपस्थित रहें। प्रशिक्षण में श्री राम प्रकाश, अ. प्र.मु.व.स. (प्रशा.) छ.ग. मुख्य आतिथ्य के रूप में एवं डॉ. अनूप भल्ला मु.व.स.(स.व.प्र./नी.वि.), छ.ग. अध्यक्ष के रूप में उपस्थित थे। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस राष्ट्र स्तरीय विषय विशेषज्ञों के रूप में उपस्थित डॉ ए.के. जयसवाल, च्तपदबपचंस ैबपमदजपेजए प्दकपंद प्देजपजनजम व िछंजनतंस त्मेपद – ळनउेए त्ंदबीप, डॉ वृंदावनन्, ठपव.त्मेवनतबम क्मअमसवचउमदजए डाबर इंडिया लिमिटेड गाजियाबाद डॉ. एच.डी. कुलकर्णी, जनरल मेनेजर, (प्लान्टेशन) आई.टी.सी. भद्राचलम एवं श्री बी. आनंद बाबू, वन संरक्षक (कैम्पा) समस्त ने अपने विस्तृत प्रस्तुतीकरण के माध्यम से "मास्टर ट्रेनर्स" को प्रशिक्षण के निर्धारित विषयों पर उदेश्यपूर्ण प्रशिक्षण दिये। द्वितीय दिवस, प्रशिक्षण से संबंधित विषयों पर प्रतिभागियों को क्षेत्रीय भ्रमण अंतर्गत महासमुंद जिले में क्रियान्वित किये गये जल ग्रहण प्रबंधन उपायों एवं लाख प्रसंस्करण से संबंधित कार्यो से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण उदेश्यपूर्ण एवं अत्यंत सफल रहा।

6. दिनांक 22–25 फरवरी 2010 एवं 03–06 मार्च 2010 को वन कर्मचारियों एवं वन प्रबंधन समितियों को वानिकी के विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण

18–19 नवम्बर एवं 08–09 फरवरी 2010 को मास्टर ट्रेनर्स को दिये गये प्रशिक्षण के आधार पर वन रक्षक प्रशिक्षण विद्यालय सक्ती, वनपाल प्रशिक्षण विद्यालय जगदलपुर एवं वन रक्षक प्रशिक्षण विद्यालय महासमुंद में वन कर्मचारियों एवं वन प्रबंधन समितियों को राज्य में संयुक्त वन प्रबंधन कार्यक्रम में सुचारू क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षित

मास्टर ट्रेनर्स द्वारा निचले स्तर के वन कर्मचारियों एवं वन प्रबंधन समिति सदस्यों को चार दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में वन रक्षक प्रशिक्षण विद्यालय सक्ती में 104 प्रशिक्षणार्थी, वनपाल प्रशिक्षण विद्यालय जगदलपुर में 87 एवं वन रक्षक प्रशिक्षण विद्यालय महासमुंद में 125 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण उदेश्यपूर्ण रहा।

7. दिनांक 29–30 मार्च 2010 को ष्ब्नततमदज स्ूं पद थ्वतमेज डंदंहमउमदज पद प्दकपंष विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

राज्य के भारतीय वन सेवा के अधिकारियों के लिये राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, छ.ग. द्वारा ष्ब्नततमदज स्ूं पद थ्वतमेज डंदंहमउमदज पद प्दकपंष विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्याशाला का आयोजन दिनांक 29 एवं 30 मार्च 2010 को महामहिम श्री शेखर दत्त, राज्यपाल छत्तीसगढ़ के मुख्य आथित्य एवं श्री पी.जॉय,ओम्मेन, मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन की समापन समारोह में उपस्थिति के साथ सफलता पूर्वक

सम्पन्न हुआ। महामहिम राज्यपाल के अतिरिक्त कार्यक्रम में श्री पी.सी. दलेई, प्रमुख सचिव, वन छत्तीसगढ़ शासन, श्री आर.के. शर्मा, प्रमुख मुख्य वन संरक्षक छत्तीसगढ़, डॉ. एम.के. श्रीवास्तव कुलपति, हिदायत उल्ला नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी रायपुर, राज्य के अतिरिक्त महाधिवक्ता श्री किशोर भादुड़ी विशेष रूप से उपस्थित रहे ।

डॉ. ए.ए. बोआज, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं संचालक राज्य अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा इस कार्यशाला में वन अधिकार अधिनियम एवं पंचायत अनुसुचित क्षेत्रा विस्तार अधिनियम पर मुख्य रूप से वनवासियों पर इसके प्रभाव एवं इन अधिनियमों के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा एवं समाधान किये जाने हेतु कार्यशाला आयोजित होने के बारे में जानकारी दी। महामहिम राज्यपाल छत्तीसगढ़ द्वारा इस कार्यशाला को वन प्रबंधन एवं इससे संबंधित अधिनियमों के परिप्रेक्ष्य में तथा इससे सीधे तौर पर प्रभावित होने वाले वनवासियों के परिप्रेक्ष्य में पायोनियर कार्यशाला होने बाबत् व्यक्तव्य दिया गया एवं आशा व्यक्त की गई कि यह कार्यशाला राज्य के वनों के प्रबंधन के सांथ – साथ वनवासियों के स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन के लिये फलदायी होगा। श्री आर. के. शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, छ.ग. ने वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन में छ.ग. राज्य के प्रथम होने संबंधी व्यक्तव्य दिया।

कार्यशाला को प्रशिक्षित करने के लिये राष्ट्रीय स्तर के विषय विशेषज्ञ जिनमें इनवायरो लिगल डिफेनस फर्म, नोएडा के श्री संजय उपाध्याय, सीनियर एडव्होकेट सुप्रीम कोर्ट, श्री राजीव कुमार, रेसीडेन्ट कमीश्नर, झारखंड, श्री के.के. सिंग, भूतपूर्व विधायक सीधी एवं डॉ. अरविंद झा, कमिश्नर, आदिवासी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, पुणे मुख्य रूप से उपस्थित थे।

प्रशिक्षण कार्यशाला का मुख्य उदेश्य राज्य के भारतीय वन सेवा के अधिकारियों को वन प्रबंधन से संबंधित वर्तमान अधिनियमों एवं कानूनों के व्यवहारिक पहलुओ तथा क्रियान्वयन में आ रही समस्यों के संभाव्य समाधान पर विस्तृत चर्चा किया जाना निहित था। कार्यशाला में छत्तीसगढ़ राज्य के समस्त वन मण्डलाधिकारियों वन संरक्षकों, क्षेत्रीय संचालकों, वन्य प्राणी, भारतीय वन सेवा के प्रोबेसनर्स अधिकारियों कुल 62 मुख्य प्रतिभागियों के रूप में आमंत्रित किया गया था जिसमें से 43 प्रतिभागी उपस्थित रहें। इनके अतिरिक्त श्री धीरेन्द्र शर्मा, प्रबंध संचालक छ.ग. राज्य वन विकास निगम, श्री ए.के. सिंह, प्रबंध संचालक छ. ग. लघु वनोपज संघ, श्री एन. के. भगत, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी तथा वन विभाग वरिष्ठ वन अधिकारी उपस्थित थे। कार्यशाला के अंत में समस्त के द्वारा उक्त कार्यशाला छत्तीसगढ़ राज्य के लिए अत्यन्त फलदायी होगा, विचार व्यक्त किया गया।

उपरोक्त समस्त प्रशिक्षण/कार्यशाला मांग संख्या 41–2406 (0102) अनुसूचित जनजाति क्षेत्रा उपयोजना (6723) संयुक्त वन प्रबंधन सुदृढ़ीकरण एवं विकास रु 05 प्रशिक्षण 002 अन्य प्रशिक्षण मद एवं राज्य वन अनुसंधान संस्थान की स्थापना शीर्ष 10–241 – 1859 प्रशिक्षण मद के अंतर्गत आयोजित किये गये।

8. वन विज्ञान केन्द्र में प्रशिक्षण

वानिकी अनुसंधान के विस्तार हेतु, भारतीय वानिकी, अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादुन के सहयोग से स्थापित वन विज्ञान केन्द्र, रायपुर में, राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के अंतर्गत माह फरवरी–मार्च 2010 की अवधि में कुल 4 प्रशिक्षण (दो दिवसीय) का आयोजन किया गया। चारों प्रशिक्षण में कुल 100 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया

जिसमें वन क्षेत्रापाल/वनपाल/वनरक्षको एवं सयुक्त वन प्रबंधन समिति सदस्यों एवं कृषको को "रोपणी एवं रोपण में होने वाले विभिन्न कीट/फफूंदी बीमारियों की पहचान एवं रोकथाम हेतु प्रभावी प्रबंधन," एवं "पड़त भूमि विकास अंतर्गत कृषि वानिकी" विषय पर उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर के वैज्ञानिको द्वारा प्रशिक्षित किया गया।

भविष्य में इस संस्थान द्वारा वन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आधुनिक तकनीकी विकसित करने, विभिन्न वानिकी विषयों पर शोध करने व वन उत्पादकता बढ़ाने हेतु विभिन्न प्रकार के वानिकी अनुसंधान कार्यो के द्वारा वन आधारित ग्रामीणों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान में वानिकी के योगदान हेतु प्रयास किये जावेंगे।

9. **दिनांक 12–13 अक्टूबर 2010 को "National Consultation Workshop For The Development Of Chhattisgarh State CAMPA Vision 2020" dk vk;kstu&**

छत्तीसगढ़ राज्य कैम्पा, एवं राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान वन विभाग द्वारा **"कैम्पा विजन 2020" विषय पर** होटल बेबीलॉन इन्टरनेशनल, रायपुर में दो दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला 12–13 अक्टूबर 2010 को आयोजित किया गया है। इस कार्यशाला का उद्घाटन श्री विक्रम उसेंडी, माननीय वन मंत्रीजी, छ.ग. शासन की मुख्य आतिम्य, श्री नारायण सिंह, प्रमुख सचिव (वन), की अध्यक्षता, श्री आर. के. शर्मा, प्रधान मुख्य छ.ग. एवं डॉ. ए. ए. बोआज, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक–कैम्पा की उपस्थिति में एवं समापन समारोह महामहिम राज्यपाल छत्तीसगढ़ श्री शेखर दत्त के मुख्य आतिथ्य, माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन डॉ. रमन सिंह, की अध्यक्षता, माननीय वनमंत्री श्री विक्रम उसेण्डी, छत्तीसगढ़ शासन के विशेष आतिथ्य, श्री पी.जॉय उम्मेन, मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, श्री नारायण सिंह, प्रमुख सचिव वन, श्री आर.के. शर्मा, प्रधान मुख्य छ.ग. एवं डॉ. ए.ए. बोआज, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक–कैम्पा की उपस्थिति में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर नौ राज्यों के प्रधान मुख्य वन संरक्षक, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, मुख्य वन संरक्षक व अन्य वरिष्ठ वन अधिकारी, अनेक राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों प्रोफेसर गोपीचरण एवं ओमकार जानी, गुजरात ऊर्जा प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद, सुप्रीम कोर्ट के वकील एवं कन्सलटेंट, जेड.एस.आई. एव ंबी.एस.आई. के क्षेत्रीय प्रभारी राष्ट्रीय सुदूर संवेदन संस्थान के प्रोफेसर, आयुक्त, आदिवासी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, महाराष्ट्र, उष्टकटीबंधी वन अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों, डायरेक्टर, नॉएडा वनस्पिति विज्ञान, भारतीय वन्यजीव संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक, राज्य वन्य जीव सलाहकार बोर्ड एव ंबी.एन.एच.एस, मुम्बई के सदस्य, प्रभारी, केन्द्रीय पर्यावरण शिक्षण गोवा, राज्य कैम्पा में नामित स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, संचालक पीज़ इंस्टीट्यूट, दिल्ली, यूनेस्को इंडिया के प्रतिनिधि के अतिरिक्त देश के अन्य वानिकी व वन्य प्राणी विशेषज्ञ, राष्ट्र व राज्य स्तरीय स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न विभागीय अधिकारी तथा वन अधिकारी सहित लगभग 120 अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में छ.ग. राज्य के प्रमुख वन अधिकारी श्री धीरेन्द्र शर्मा, प्रबंध संचालक वन विकास निगम, श्री ए.के. सिंह, प्रबंध संचालक छ.ग. राज्य लघु वनोपज संघ एवं श्री रामप्रकाश प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) भी उपस्थित थे।

कार्यशाला के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि माननीय वनमंत्री जी द्वारा अनुसूचित क्षेत्रों एवं सुदूर सघन वनक्षेत्रों जहॉ से अधिकतम खनिजों का उत्खनन किया जा रहा है, में निवासरत वनवासियों के हित में कैम्पा निधि द्वारा प्राप्त राशि से वन विभाग के नियमित विकास कार्यों के अतिरिक्त अन्य विशेष दीर्घ अवधि योजना बनाये जाने पर जोर दिया गया जिससे कि समस्त लोगों को सतत सामाजिक आर्थिक विकास प्राप्त हो सकेगा जिस पर अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक–कैम्पा डॉ. ए.ए. बोआज द्वारा आश्वस्त किया गया कि माननीय वनमंत्रीजी के मंशा के अनुरूप ही कार्य योजना विजन 2020 तैयार की जायेगी। कार्यशाला के अध्यक्ष श्री नारायण सिंह, प्रमुख सचिव, वन छ.ग. शासन एवं श्री आर.के. शर्मा प्रधान मुख्य वन संरक्षक, छ.ग. ने भी कार्यशाला को संबोधित किया।

कैम्पा के प्रभारी डॉ. ए.ए. बोआज, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक–कैम्पा छ.ग. के द्वारा **"कैम्पा विजन 2020"** के ड्राफ्ट का विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया गया। साथ ही अन्य राज्यों के कैम्पा से संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उनके राज्य में कैम्पा निधि अंतर्गत किए जा रहे विकास कार्यों का प्रस्तुतीकरण दिया गया।

उक्त कार्यशाला में डॉ. बोआज द्वारा प्रस्तुत किए गए **"कैम्पा विजन 2020"** पर समस्त उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गहन विचार–विमर्श उपरांत दिनांक 13 अक्टूबर 2010 को विजन 2020 को अंतिम रूप दिया गया एवं राज्य कैम्पा प्रभारी डॉ. ए. ए. बोआज, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक–कैम्पा छ.ग. द्वारा **"कैम्पा विजन 2020"** के ड्राफ्ट का विस्तृत प्रस्तुतिकरण कार्यशाला के मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल एवं माननीय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन के समक्ष दिया गया। प्रस्तुतिकरण में कार्यशाला में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिये गये समस्त सुझावों को निहित किया गया एवं डॉ. ए.ए. बोआज द्वारा बताया गया कि समस्त सुझावों एवं राज्य के समाजिक आर्थिक परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए एवं महामहिम राज्यपाल एवं माननीय मुख्यमंत्री जी, द्वारा दिये गये सुझावों को ''कैम्पा विजन 2020'' में शामिल कर पुनः तैयार किया जायेगा तद्पोरान्त इसके क्रियान्वयन की दिशा में कदम बढ़ाया जायेगा। राज्य कैम्पा द्वारा क्षतिपूर्ति वनीकरण का कार्य आगामी तीन वर्षों में 9130 हे0 में पूर्ण किया जावेगा। राज्य के वनों के पुनरूत्पादन एवं वृक्षारोपण का कार्य क्लस्टर अप्रोच के अंतर्गत किया जावेगा। राज्य कैम्पा से आगामी 10 वर्षो में 10 करोड़ मानवदिवस रोजगार निर्मित किया जावेगा। राज्य कैम्पा से राज्य के वन्य जीव से संबंधित विशिष्ट परियोजनाओं के अतिरिक्त कृषि वानिकी एवं वनों के संरक्षण का कार्य किया जावेगा। माननीय मुख्यमंत्री जी के मंशा के अनुरूप वनक्षेत्रों में रह रहे आदिवासियों के दस हजार परिवारों को सतत रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है एवं वनों के संरक्षण हेतु कैम्पा से प्रतिवर्ष 200 वनरक्षकों की नियुक्ति आगामी पॉच वर्षों में माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशा अनुसार की जायेगी। राज्य के वन सीमाओं की कमजोर स्थिति को भी कैम्पा के माध्यम से सुदृढ़ किया जावेगा एवं राज्य में कार्यरत वन प्रबंधन समितियों में से उत्कृष्ट एक हजार समितियॉ जो वन सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे, को प्रोत्साहन राशि प्रतिवर्ष प्रदाय किया जायेगा। वर्ष 2020 तक राज्य के वनक्षेत्रों में पाये जाने वाले अवरोधी प्रजातियों को 25 प्रतिशत तक कम करने का प्रयास किया जावेगा। कैम्पा के माध्यम से राज्य के वनों के संरक्षण एवं संवर्धन में अनुसंधान एवं सूचना प्रौद्योगिकी का महत्वपूर्ण योगदान होगा जिसमें उन्नत बीज, उन्नत पौध एवं जलवायू आधारित प्रजातियों को शामिल किया जायेगा तथा विशेष प्रशिक्षणों के माध्यम से क्षमता विकास का कार्य किया जावेगा।

माननीय मुख्यमंत्री छ.ग. शासन द्वारा इस कार्यशाला के आयोजन को अत्यन्त महत्वपूर्ण बताते हुए विचार व्यक्त किया गया कि राज्य के सूदूर वनक्षेत्रा जहॉ वनवासी निवासरत हैं, उनके पूरे वर्ष भर

आजीविका का महत्वपूर्ण श्रोत केवल वन एवं वन आधारित कार्य ही हैं क्योंकि इन क्षेत्रों में सिंचाई सुविधा अत्यन्त अल्प है जिससे कृषि पर ही निर्भर रहकर पूरे वर्ष भर आजीविका संभव नहीं है। इस तरह वनवासियों को लघु वनोपज के संग्रहण एवं अन्य वन संबंधी कार्यों में निर्भर रहना पड़ता है अतः कैम्पा निधि से उनके सतत आजीविका का प्रबंध वैज्ञानिक पद्धति से किया जाना चाहिए। इस तरह कैम्पा निधि का सबसे ज्यादा उपयोग अनुसंधान एवं विकास में किया जाना आवश्यक है क्योंकि अनुसंधान एवं तकनीक ही बढ़ती हुई आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं। इस हेतु न केवल देश में उपलब्ध तकनीक बल्कि अंतराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध तकनीक का इस्तेमाल किया जाये। इस तरह कैम्पा विजन 2020 को इस तरह तैयार किया जाये कि यह देश के अन्य राज्यों के लिए माडल बन सके एंव छ.ग. राज्य इसकी अगुवाई करें। इस व्यक्तव्य के साथ माननीय मंख्यमंत्रीजी द्वारा कार्यशाला के सफल आयोजनएवं अन्य राज्यों से पधारे वरिष्ठ अधिकारियों, वैज्ञानिकों अशासकीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं स्वयं सेवी संस्थओं के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया गया।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल छ.ग. श्री शेखर दत्त द्वारा कैम्पा विजन 2020 के ड्राफ्ट प्रस्तुतीकरण पर विचार व्यक्त किए गए कि छ.ग. राज्य की जनसंख्या, प्राकृतिक संसाधन एवं जलवायु का प्रभाव एक दूसरे पर समानुपातिक है। इस तरह छ.ग. राज्य एक समृद्ध भू–खण्ड है। महामहित जी द्वारा भी अनुसंधान एवं सूचना प्रौद्योगिकी को महत्वपूर्ण बताते हुए छ.ग. राज्य के वनों एवं आम लोगों के हित में इसका उपयोग करने सलाह दी गई। इसी तरह काष्ठ प्रतिस्थापन एवं एनर्जी एफीशेन्ट उत्पादों को भी उनके द्वारा प्रभावी प्रयोग विस्तृत रूप से करने बाबत् सुझाव दिया गया। इस तरह कार्यशाला के सफल आयोजन पर समस्त उपस्थित को बधाई देते हुए अपना उद्बोधन समापन किया गया।

10. दिनांक 26–27 नवम्बर 2010 को "Application of Modern Techniques For Plantation Management" विषय पर प्रशिक्षण –

दिनांक 26 – 27 नवम्बर 2010 को राज्य के वनमंडलधिकारियों एवं उपवनमंडलधिकारियों के पृथक – पृथक दो समूहों हेतु ष्।चचसपबंजपवद वि डवकमतद ज्मबीदपुनमे थ्वत च्सदजंजपवद डंदंहमउमदजष् विषय पर प्रशिक्षण सभागृह पंडरी, रायपुर में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ श्री धीरेन्द्र शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक छत्तीसगढ़ एवं विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों डॉ. ए.ए. बोआज, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक–कैम्पा एवं संचालक – राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, डॉ. जे.के. उपाध्याय, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, विकास योजना, श्री प्रताप सिंह, मुख्य वन संरक्षक, अनुसंधान एवं विस्तार, श्री दिवाकर मिश्रा, मुख्य वन संरक्षक, बांस मिशन, श्री के.सी बेबर्ता, मुख्य वन संरक्षक, मानव संसाधन विकासएवं सूचना प्रौद्योगिकी, की उपस्थिति में सम्पन्न हुए। उक्त प्रशिक्षण का उद्देश्य "राज्य क्षतिपूर्ति वनीकरण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण" अंतर्गत किये जाने वाले क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण, अतिरिक्त क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण, दांडिक क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण, समग्र प्रत्याशा मुल्य इत्यादि वृक्षारोण हेतु परियोजना प्रतिवेदन सूचना प्रौद्योगिकी की सहायता से विकसित " प्लांटेशन डी.एस.एस. निर्देशिका" द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रशिक्षण दिया गया। वृक्षारोपण प्रबंधन हेतु नवीन तकनीक का क्षेत्रा में उपयोग एवं रिर्मोट सेंसिग को एक टूल के रूप में उपयोग करने एवं वृक्षारोपण एवं अनुश्रवण पर भी प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में दिनांक 26 नवम्बर 2010 को प्रथम समूह के 14 वनमंडलाधिकारियों, 3 भा.व.से. प्रोबेशनर्स एवं 27 उपवनमंडलधिकारियों ने भाग लिया। दिनांक 27 नवम्बर 2010 को द्वितीय समूह के 9 वनमंडलाधिकारियों एवं 31 उपवनमंडलाधिकारी ने भाग लिया।

प्रशिक्षण में उपस्थित दोनो समूह के वनमंडलाधिकारियों एवं उपवनमंडलधिकारियों को डॉ. ए.ए. बोआज, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक–कैम्पा एवं संचालक – राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा प्लाटेंशन डी.एस.एस. पर, डॉ. ए. ओ. वर्गीस, वरिष्ठ वैज्ञानिक, क्षेत्रीय सूदूर संवेदन केन्द्र नागपुर द्वारा वृक्षारोपण प्रबंधन में सूदूर संवेदन एवं जी.आई.एस. तकनीक का उपयोग, श्री के .सी. बेबर्ता, मुख्य वन संरक्षक, मानव संसाधन विकास एवं सूचना प्रौद्योगिकी, द्वारा वृक्षारोपण योजना, क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण में

जी.आई.एस का प्रयोग पर एवं श्री आनंद बाबू, आयुक्त, छ.ग. गृह निर्माण मंडल, द्वारा बिगड़े वन क्षेत्राो का वन वर्धनीय उपचार एवं श्री के.आर. उइके, उपवनमंडलाधिकारी राजीम, द्वारा स्थल विशेष परियोजना प्रतिवेदन निर्माण एवं सहायक प्राकृतिक पुनरोत्पादन पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण से आशा व्यक्त की गयी की प्लांटेशन डी.एस.एस." द्वारा तैयार परियोजना सफल होगा एवं वृक्षारोपण हेतु प्रस्तावित क्षेत्रा उपयुक्त है अथवा नही, चयनित प्रजाति उपयुक्त है अथव नही, स्पष्ट हो सकेगा।

<u>वन कर्मचारियों एवं संयुक्त वन प्रबंधन समिति के सदस्यों को राष्ट्रीय स्तर के वानिकी संस्थानों एवं उच्च कार्य क्षेत्राों के भ्रमण (कैम्पा निधि से)</u>

राष्ट्रीय स्तर के वानिकी संस्थानों एवं उच्च कार्य क्षेत्राों के भ्रमण हेतु कुल 13 चयनित भा.व.से. अधिकारियों को ळतवनच.। एवं ळतवनच.ठ दो समुहो में दिनांक 20/09/2010 से 26/09/2010 एवं 27/09/2010 से 03/10/2010 को छैै।ए भ्लकमतंइंकए ।च थ्वतमेज.क्मचजण्ै ममक ज्मेजपदह संइ हैदराबादए ठप्ज्त्ैे.तिरूपति, ब्ंनतपदंए म्नबंसलचजने ठतममकपदह च्तवहतंउउम .राजमुंद्री, अनुसंधान केन्द्र एवं आई.टी.सी.– भद्राचलम का भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें अधिकारियों द्वारा भ्रमण उपरांत ज्ञान अर्जन किया गया ।

<u>राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे अनुसंधान परियोजनाएँ (कैम्पा निधि से)</u>

1- Establishment of Germ Plasm Bank of Aegle Marmelos (Corre) Bel in Chhattisgarh

यह परियोजना तीन वर्ष की है। परियोजना प्रारंभ वर्ष 2010 में हुआ है। राज्य के तीन वनमंडलों कोरबा, जांजगीर चांपा एवं बिलासपुर में 17 धन वृक्षों को चयनित किया जाकर वनस्पतिक प्रसारण हेतु एयर लेयरिंग किया गया। लगभग 500 शाखाओं में से 50 में रूटिंग अवलोकित हुआ है। इस प्रकार धन वृक्षो से तैयार पौध से बेल के जर्म प्लाजम बैंक तैयार किया जायेगा।

2ण म्जंइसपीउमदज

यह परियोजना तीन वर्ष की है। आचार प्रजाति के धन वृक्षों के चयन हेतु सर्वेक्षण पूर्ण किया जा चुका है एवं जर्म प्लाजम बैंक के स्थापना हेतु आगे की कार्यवाही की जा रही है ।

3. छत्तीसगढ़ राज्य की जैव विविधता का सर्वेक्षण (कैम्पा निधि से)

छत्तीसगढ़ राज्य की जैव विविधता के सर्वक्षण हेतु Zeological Survey of India & Biological Survey of India Kolkata }ारा प्रस्तुत परियोजनाओं के क्रियांवयन हेतु टी.ओ.आर को अंतिम रूप दिया जा चुका है एवं यह परियोजनाए अत्यंत शीघ्र ही प्रारंभ हो जायेगी।

————00————

राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्रा वर्ष 2011 हेतु महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण की जानकारी

अनुसंधान, आधुनिक तकनीक एवं मानव संसाधन विकास हेतु प्रशिक्षण के महत्व के परिप्रेक्ष्य में राज्य के वनों के संरक्षण एवं संवर्धन में इसकी प्रभावी भूमिका हेतु छ.ग. राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना की गयी है। संस्थान का भवन निर्माण एवं अधोसंरचना विकास प्रगति पर है। संस्थान में विगत वर्ष महत्वपूर्ण समसामयिक एवं वानिकी विषयों पर 9 कार्यशाला/प्रशिक्षण/संगोष्ठी आयोजित किये गये एवं इस वर्ष एक राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला "कैम्पा विजन 2020" एवं 2 प्रशिक्षण आयोजित किये गये।

————00————

क्र.	योजना का नाम	स्वीकृत राशि (लाख में)	अद्यतन स्थिति
1	अधोसंरचना विकास	375	अधोसंरचना विकास अंतर्गत राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना हेतु चयनित क्षेत्रा बरौंदा में जहां संस्थान का भवन निर्माण कार्य प्रगति पर है, वहां निम्नलिखित कार्य प्रगति पर हैः– 1ण ेथ्त्ज्प ठवनदकंतल ूंसस ंदक डंपद म्दजतंदबम हंजम के निर्माण हेतु वनमंडलाधिकारी (सामान्य) रायपुर को अनुमोदित प्राक्कलन अनुसार कार्य प्रारंभ करने हेतु निर्देशित किया गया है । 2ण 200 किलो वाट क्षमता के ेवसंत म्सम्बजतपपिबंजपवद ेलेजमउ स्थापित करने हेतु ब्त्म्क।ष् द्वारा परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है जिस पर कार्यवाही की जा रही है। 3. ेथ्त्ज्प ठनपसकपदह च्तज.। ंदक च्तज.ठ में फर्नीशिंग आदि कार्य करने हेतु ऐजेन्सी चयन का कार्य अंतिम स्तर पर है। ेथ्त्ज्प ब्वउने में ेजतमंज सपहीज हेतु ब्ैठ के सहयोग से ट्रांसफार्मर की स्थापना हेतु भवन में संभावित लोडवेयर ज्ञात करने हेतु छ.ग. हाऊसिंग बोर्ड के सहयोग से कार्यवाही प्रगति पर है।
2	केन्द्रीय टिशु कल्चर लैब की स्थापना	20	–केन्द्रीय टिशु कल्चर की स्थापना ेथ्त्ज्प ब्वउने में करने हेतु स्थान चयनित किया गया है एवं परियोजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
3	बीज टेस्टिंग एवं सर्टिफिकेशन सेंटर की स्थापना	20	ेममक ज्मेजपदह स्ंइ की स्थापना हेतु ेथ्त्ज्प ब्वउने में स्थल चयन कर चिन्हित किया गया है एवं ए.पी.ओ. में प्रावधानित राशि रू. 20 लाख के विरूद्ध जारी प्रथम किस्त की राशि रूपये 6 लाख को वनमंडलाधिकारी (सामान्य) रायपुर के एम.ओ.डी. खाते में स्थानांतरित किया जाकर बीज परिक्षण भवन के निर्माण प्रारंभ करने निदेर्शित किया जा चुका है।
4	मृदा टेस्टिंग प्रयोगशाला की स्थापना	20	ेवपस ज्मेजपदह स्ंइ की स्थापना हेतु ेथ्त्ज्प ब्वउने में स्थल चयन चयन कर चिन्हित किया गया है एवं ए.पी.ओ. में प्रावधानित राशि रू. 20 लाख के विरूद्ध जारी प्रथम किस्त की राशि रूपये 6 लाख को वनमंडलाधिकारी (सामान्य) रायपुर के एम.ओ.डी. खाते में स्थानांतरित किया जाकर बीज परिक्षण भवन के निर्माण प्रारंभ करने निदेर्शित किया जा चुका है।
5	एक केन्द्रीय वन पुस्तकालय की स्थापना	20	लाईब्रेरी भवन हेतु क्तूंपदह क्मेपहद ंदक स्ंलवनज च्संदए म्ेजपउंजम तैयार किया जा रहा है।
6	राज्य में विभिन्न प्रकार के रिसर्च प्लाट की स्थापना	100	ब्मदजमत त्मेमंतबी च्सवज. की स्थापना प्रत्येक वन वृत्त मे प्रस्तावित है। 2. इस हेतु वृत्त से 150–20 हे. क्षेत्रा जो कि वनमंडल कार्यालय से 10–15 किमी की दूरी पर हो, पानी स्त्राोत हो एवं कम घनत्व का क्षेत्रा हो चयनित कर प्रस्तुत करने हेतु लेख किया गया है।

7	छत्तीसगढ़ राज्य की जैव विविधता के सर्वक्षण बी. एस.आई. एवं जेड.एस. आई एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से सुनिश्चित करने एवं अन्य अनुसंधान कार्य	70	1. छत्तीसगढ़ राज्य की जैव विविधता के सर्वक्षण हेतु <u>ैर – ठैप् ज्ञवसांजं</u> द्वारा प्रस्तुत एवं स्वीकृत परियोजनाओं के क्रियांवयन हेतु ए.पी.ओ. में प्रावधानित राशि रूपये. 70 लाख के विरूद्ध जारी प्रथम किस्त की राशि रूपये 21 लाख में से रारि रूपये 12 लाख रू. क्पतमबजवत ैर ज्ञवसांजं को एवं राशि रूपये 7 लाख <u>क्पतमबजवत ठैप् ज्ञवसांजं</u> को आबंटित करने हेतु वनमंडलाधिकारी (सामान्य) रायपुर के एम.ओ.डी. खाते में स्थानांतरित किया गया। ैर एवं ठैप् से ज्व्त् निर्धारण उपरान्त कार्य प्रारंभ करने हेतु दोनो संस्थानो के प्रभारी वैज्ञानिक को बुलाया जाकर 251 से ज्व्त् को अंतिम रूप दिया जा चुका है। 2. व्जीमत त्मेमंतबी ।बजपअपजपमे अंतर्गत –ैथ्त्ज् के द्वारा स्वीकृत परियोजना ;<u>ळमतउचसेंउ ब्वससमबजपवद ंदक कमअमसवचउमदज वि च्संदजंजपवद ज्मबीदवसवहल वि *ठनबीदंदपं संद्रंदंक म्हसम उंतउमसवे* ैचमबपमे पद बीीजजपेहंती</u>द्ध के क्रियान्वयन हेतु राशि रू. 2 लाख विमुक्त करने हेतु वनमंडलाधिकारी (सामान्य) रायपुर के ए.मओ.डी. खाते में स्थानांतरित किया गया। दोनो कार्यो हेतु प्रथम एवं द्वितीय स्तर का दौरा कर संबोधित स्थलों पर बेल की बूटी ;।पत संलमतपदहद्ध का निरीक्षण कर कंजं एकत्रा किया गया वर्तमान में चिरौजी एवं बेल के ैच। ैमसमबजपवद हेतु कार्यवाही की जा रही है।
8	विभिन्न स्तर के अनुसंधान हेतु अनुसंधान फैलो के नियुक्ति (संविदा) करना	5	कुल 6 त्मेमंतबी थ्मससवू की नियुक्ति हेतु तैयार विज्ञापन प्र.मु.व.सं. के अनुमोदन उपरांत शीघ्र प्रकाशित किया जायेगा।
9	प्रत्येक एग्रो क्लाईमेटिक जोन में 1 (कुल 3) लीड एवं बोटेनिकल गार्डन की स्थापना	150	योजना अंतर्गत नया रायपुर क्षेत्रा में एशिया का सबसे बड़ा बोटनिकल गार्डन की स्थापना हेतु स्थल चयन कर भूमि अधिग्रहण एवं परियोजना निर्माण को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
10	6 उच्च तकनीक नर्सरी की स्थापना	300	इस हेतु 1 खण्डवा (नया रायपुर)–रायपुर सामान्य वनमंडल, 2 बालौद–दुर्ग वनमंडल 3 माचकोट– बस्तर सामान्य व.मं. 4 भैसाझार रोपणी कोटा परियोजना मंडल, बिलासपुर, 5 पासंग – दक्षिण सरगुजा व.मं, 6 कमरीद –जांजगीर–चाम्पा वन मंडल रोपणियों को अंतिम रूप से चयनित कर तत्काल कार्य प्रारंभ करने हेतु राशि विमुक्त की जा चुकी है।
11	संयुक्त वन प्रबंधन समिति के अंतर्गत एग्रो/फार्म वानिकी विकास हेतु 10 लाख पौधो का वितरण	70	ब्सनेजमत ंचचतवंबी से कृषकों के चयन एवं परियोजना प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया जाना शेष है।
12	विभिन्न वन कर्मचारियों एवं संयुक्त वन प्रबंधन के अंतर्गत समिति सदस्यों हेतु प्रशिक्षण आयोजन करना	70	1. प्रशिक्षण हेतु कार्यक्रम एवं विस्तृत विवरण तैयाार किया जा कर अंतिम रूप दिया जा रहा है एवं इस हेतु ए.पी.ओ. में प्रावधानित राशि रू. 70 लाख के विरूद्ध जारी प्रथम किस्त की राशि रूपये 21 लाख को वनमंडलाधिकारी (सामान्य) रायपुर के एम.ओ.डी. खाते में स्थानांतरित किया गया। वर्ष 2010–11 में एक प्रशिक्षण ष्।चचसपबंजपवद वि डवकमतद ज्मबीदपुनमे थ्वत च्संदजंजपवद डंदंहमउमदजष का आयोजन किया गया।
13	वन कर्मचारियों एवं संयुक्त वन प्रबंधन समिति के सदस्यों को राष्ट्रीय स्तर के वानिकी संस्थानों	20	कुल 13 चयनित भा.व.से. अधिकारियों को ळतवनच.। एवं ळतवनच.ठ दो समुहो में दिनांक 20/09/2010 एवं 26/09/2010 एवं 27/09/2010 से 03/10/2010 को छैट।ए भ्लकमतंइंकए ।च थ्वतमेज. क्मचजण ैममक ज्मेजपदह संइ हैदराबादए ठप्व्ज्त्प्डै.तिरूपति, ब्ेंनतपदंए

	एवं उच्च कार्य क्षेत्रों के भ्रमण		स्नबसलचजनेए ठतममकपदह च्तवहतंउउम .राजमुंद्री, अनुसंधान केन्द्र एवं आई. टी.सी.– भद्राचलम का भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके लिए प्रावधानित रूपये 6 लाख को वनमंडलाधिकारी (सामान्य) रायपुर के एम. ओ.डी. खाते में स्थानांतरित किया गया।
14	उत्कृष्ठ वानिकी कार्य करने वाले विभिन्न राष्ट्रों एवं वानिकी संस्थाओं का अंतराष्ट्रीय भ्रमण एवं अन्तराष्ट्रीय सेमीनार एवं कार्यशाला में विभिन्न स्तर के अधिकारियों के सम्मिलित होकर राज्य का प्रतिनिधित्व करना	50	इस हेतु भ्रमण कार्यक्रम निर्धारित किया जा रहा है।
	योग	**1290**	

Director
State Forest Research & Training Institute, Raipur, CGH
O/O PCCF, Aranya Bhawan, Medical College Road, Raipur
Vidhan Sabha Bhawan, Baloda Bazar Road, Raipur CGH
Complex in progress at Boronda, New Vidhan Sabha
email id :- kcyifs@gmail.com